आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ -1

आओ हम अच्छे बने

1 आओ! हम अच्छे बनें

हमारा भारत देश है बड़ा
हम छोटे बनें तो कैसे?
हमारा देश है धनी
हम गरीब बनें तो कैसे?
हमारा देश है नैतिक
हम नीतिहीन हों तो कैसे?
हमारा देश है श्रमजीवियों का
हम कामचोर हों तो कैसे?
हमारी शाला है विवेकियों की
हम अविवेकी बनें तो कैसे?
आओ! हम अच्छे बनें
भारत की शान बढ़ाएँ।

—डॉ. सिद्धया पुराणिक

हिंदी अनुवाद—*डॉ. टी.जी. प्रभाशंकर 'प्रेमी'*

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हमारा भारत देश है बड़ा
हम छोटे बनें तो कैसे?
हमारा देश है धनी
हम गरीब बनें तो कैसे?
हमारा देश है नैतिक
हम नीतिहीन हों तो कैसे?

शब्दार्थ -

धनी-अमीर

नैतिक-जीवन मूल्य

नीतिहीन- मूल्य रहित

अर्थ बोध-

कवि कहते हैं कि हमारा भारत देश बड़ा है।
यहाँ नैतिकता भरा है यहाँ के लोग परिश्रमी तथा विवेकवान हैं।कवि देशवासियों को अच्छे बनने के लिए प्रेरणा देते हुए भारत की शान बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।
पुर्व से पश्चिम उत्तर से दक्षिण तक भारत देश विस्तृत है।तो हम छोटे कैसे बन सकते हैं?
हमारे देश में टाटा अंबानी जैसे धनी व्यक्ति हैं तो हम गरीब कैसे बन सकते हैं।

संबंधित प्रश्न-

१. कवि हमें गरीब न बनकर धनी बनने के लिए क्यों कहा है?
२. हमारा देश कैसा है?
३. हम नीतिहीन क्यों नहीं बन सकते हैं?

गृह कार्य –

पढ़ाए गए कविता को याद करो।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP